बाबा साहेब डा0 भीमराव अम्बेडकर

सत्यमेव जयते

प्रायोजक : डा0 बी0आर0 अम्बेडकर फाउण्डेशन
(सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय भारत सरकार नई दिल्ली)

आयोजक : महापंडित राहुल सांकृत्यायन शोध एवं अध्ययन केन्द्र (संस्था)
परिसर : प्रेस्टीज इण्टरमीडिएट कॉलेज, देवरिया

परिनिर्वाण दिवस 6 एवं 7 दिसम्बर 2016

के. 57/125, नवापुरा, वाराणसी - मो. 8005094909, 9451938931
e-mail : r.sankrityayan@yahoo.com

निबन्ध प्रतियोगिता

निबन्ध प्रतियोगिता

संस्था द्वारा जिलाधिकारी को सम्मान पत्र

जिलाधिकारी द्वारा संस्था उपाध्यक्ष का सम्मान

श्रीमती अनिता श्रीवास्तव बी. एल. प्रजापति

अध्यक्ष सचिव

उद्‌बोधन देते हुये वि० अतिथि - डा शरदिन्दु

बायें से- सचिव , वि० अतिथि, मु० अतिथि, भिक्षु सूर्या, भिक्षु विमल कीर्ति
बर्मा बुद्ध विहार, कुशीनगर

बायें से- श्री एस. एन. सिंह, श्रीमती अनीता श्रीवास्तव, डा० शरदिन्दु, डा० संगीता श्रीवास्तव

प्रधानाचार्य, प्रेस्टीज इ०मी० का० देवरिया — जिलाधिकारी देवरिया — चेयरमैन एन.सी.टी.ई. नई दिल्ली

मुख्य अतिथि — वि० अतिथि

माल्यार्पण कार्यक्रम

प्रधानाचार्य द्वारा संस्था सचिव का सम्मान
श्री एस.एन. सिंह डा. संगीता श्रीवास्तव

राष्ट्रीय संगोष्ठी के अवसर पर छात्र-छात्राओं का सहभागिता

8 दिसंबर 2016 Jagran

संघर्षों के बल पर बाबा साहेब ने बनाई पहचान

गोष्ठी

देवरिया | निज संवाददाता

प्रेस्टिज इंटरमीडिएट कॉलेज में बुधवार को डॉ. भीमराव अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस पर उनके जीवन पर गोष्ठी का आयोजन हुआ। डॉ. बीआर अम्बेडकर फाउंडेशन शोध एवं अध्ययन संस्थान वाराणसी ने आयोजित किया।

मुख्य अतिथि जिलाधिकारी अनिता श्रीवास्तव ने कहा कि जीवन में कुछ करने के लिए आत्मविश्वास का होना बहुत जरुरी है। जब हमारा देश आजाद हुआ था उस समय अश्पृश्यता की एक बहुत बड़ी खाई थी। उस अश्पृश्यता को बाबा साहेब ने आत्मविश्वास के बल से दूर किया था। संविधान में आरक्षण की जो उन्होंने व्यवस्था की वह आगे चलकर देश के

प्रेस्टिज इंटर कॉलेज में भीमराव अम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित गोष्ठी में विद्यालय की छात्राएं मौजूद रहीं। • हिन्दुस्तान

हित में लाभकर हुआ। विपरीत परिस्थितियों में भी उन्होंने अपना महत्वपूर्ण स्थान बनाया। जो संघर्ष में जीवन जीता है वही चमकता है। डा संगीता श्रीवास्तव ने कहा कि बाबा साहेब हमारे लिए ऐसे ऐतिहासिक कार्य किए हैं जिसे समझ पाना कठिन है। विशिष्ठ अतिथि भंते सूर्या ने कहा कि पढ़ाई गम्भीर विषय है पर उसे सहजता से स्वीकार करेंगे तो वह अति सरल हो जाएगी। इसी सत्य एवं तथ्य को स्वीकार कर बाबा साहेब ने अपने मार्ग को प्रशस्त कर संविधान का निर्माण किया।

भिक्षु विमल कीर्ति ने कहा कि जीवों पर दया करना ही बाबा साहेब के महापरिनिर्वाण दिवस की सच्ची श्रद्धांजलि होगी। समानता के अधिकार के लिए उन्होंने जीवन भर संघर्ष किया। प्रधानाचार्य शिव नरायण सिंह ने कहा कि बाबा साहेब ने अपने जीवन में तीन बातों पर सबसे अधिक महत्व दिया। उन्होंने शिक्षित बनने, संगठित बनने, संघर्ष करने पर जोर दिया। गोष्ठी में बनारसीलाल प्रजापति सहित अन्य लोगों ने सम्बोधित किया। इस दौरान आयोजित वाद विवाद प्रतियोगिता में सफल छात्र छात्राओं को सम्बोधित किया गया। गोष्ठी का संचालन शिवेश सिंह ने किया। इसमें अंकिता तिवारी, हर्षित राय, शुभम पाण्डेय, प्रीति सिंह, प्रतिभा यादव, निशा, श्वेता, काजल, शिवानी, इकरा आदि रहीं।

गोरखपुर। बृहस्पतिवार • 8 दिसम्बर • 2016 | सहारा समय | www.rashtriyasahara.com

डॉ. अम्बेडकर ने विपरीत परिस्थितियों में स्थान बनाया

देवरिया(एसएनबी)। शहर के प्रेस्टिज इण्टरमीडिएट कालेज के प्रांगण में बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर महापण्डित राहुल सांस्कृत्यायन शोध एवं अध्ययन केन्द्र वाराणसी एवं डॉ.बी.आर. अम्बेडकर फाउण्डेशन भारत सरका नई दिल्ली के तत्वावधान में बाबा साहेब के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर बच्चों को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि जिलाधिकारी श्रीमती अनिता श्रीवास्तव ने कहा कि जीवन में कुछ करने के लिए आत्मविश्वास का होना बहुत जरूरी है। जब हमारा देश आजाद हुआ था उस समय अश्पृश्यता की बहुत बड़ी खाई थी। उस अश्पृश्यता को बाबा साहेब ने आत्मविश्वास के बल पर दूर किया था। उनके विचारों से से सीख लेकर विपरीत परिस्थितियों में घबड़ाना नहीं चाहिए। संघर्ष में जो जीवन जीता है वही चमकता है।

गोष्ठी

विशिष्ट अतिथि भन्ते सूर्या ने कहा कि पढ़ाई गंभीर विषय है पर उसे सहजता से स्वीकार करेंगे तो वह अति सरल हो जायेगी। विशिष्ट वक्ता भिक्षु विमल कीर्ति ने कहाकि जीवों पर दया करना ही बाबा साहेब के महापरिनिर्वाण दिवस की सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ. शरदिन्दु ने कहा कि बाबा साहेब ने शिक्षित बने, संगठित बने, संघर्ष करें पर जोर दिया। अतिथियों को इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य एस.एन. सिंह ने उत्तरीय एवं सारस्वत सम्मान से सम्मानित किया।

कार्यक्रम को डॉ. संगीता श्रीवास्तव बनारसी लाल प्रजापति ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन शिवेश सिंह ने किया। इस अवसर पर विद्यालय में बाबा साहेब के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर निबंध एवं भाषण प्रतियोगिता (वाद विवाद) का आयोजन किया गया। जिसमें अंकिता तिवारी, हर्षित राय, शुभम पाण्डेय, प्रीति सिंह, प्रतिभा यादव, किशन मिश्र पुरस्कृत किये गये। विद्यालय की छात्राओं निशा, श्वेता, काजल, शिवानी, इकरा, दीपा, दीपिका, अंजू इत्यादि सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया।